एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!

शिवप्रसाद मिश्रा 'रूद्र'

प्रदत्त कार्य-1 : 'पत्रिका' तैयार करना।

विषय : स्वरचित रचना।

उद्देश्य :

- सृजनात्मकता का विकास करना।
- विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- मौलिकता की प्रवृत्ति का विकास करना।
- कल्पनाशीलता का विकास करना।
- सहभागिता की प्रवृत्ति का विकास करना।
- पठन कौशल का विकास करना।
- कलात्मकता की ओर उन्मुख करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से किया जाएगा लेकिन प्रस्तुतीकरण सामूहिक होगा।
2. शिक्षक सर्वप्रथम विषय की पूर्ण जानकारी गतिविधि से एक दिन पूर्व देंगे।
3. प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी पसंदीदा (हिन्दी साहित्यिक विधाओं में) किसी एक विधा नाटक, कहानी, कविता, संस्मरण, यात्रा वृतांत, चुटकुले, आलेख आदि पर स्वरचित रचना लिखने के लिए दी जाएगी।
4. विद्यार्थियों को यह भी निर्देश दिया जाए कि वह अपनी कृति कलात्मक ढंग से लिख सकते हैं तथा साज सज्जा भी कर सकते हैं।
5. लेखन कार्य के लिए 25 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. इस दौरान शिक्षक कक्षा में घूम कर निरीक्षण करेंगे।
7. शिक्षक लेखन कार्य में समानता लाने के लिए सभी विद्यार्थियों को लिखने के लिए एक ही तरह का पेपर वितरित कर सकते हैं। (चार्ट पेपर का इस्तेमाल किया जा सकता है)

8. शिक्षक मूल्यांकन के आधार श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

9. लेखन कार्य समाप्त होने पर सभी की कृतियाँ संगृहीत करके एक फाइल में विद्यार्थियों की मदद से लगाई जाएँगी।

10. सुविधानुसार शिक्षक उसका मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- प्रभावशाली भाषा
- कलात्मकता
- मौलिकता
- सृजनात्मकता
- समग्र प्रभाव

टिप्पणी :

- शिक्षक अन्य उचित बिन्दुओं को मूल्यांकन के आधार मान सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी एवं मौलिक रचनाओं की सराहना की जाए।
- अच्छी कृतियों को विद्यालय पत्रिका में अवश्य छपवाया जाए।
- शिक्षक पत्रिका को वास्तविक रूप देने के लिए कुछ विद्यार्थियों को मुख्य पृष्ठ सज्जा, संपादकीय आदि लिखने को दे सकते हैं उनका मूल्यांकन उन्हीं के आधार पर किया जा सकता है।

प्रदत्त कार्य-2 : क्षेत्रीय स्तर पर मनाए जाने वाले त्योहारों का विवरण।

उद्देश्य :

- सामान्य ज्ञान की वृद्धि करना।
- भारतीय संस्कृति से परिचित कराना।
- संवेदनशीलता की प्रवृत्ति का विकास।
- सहभागिता की प्रवृत्ति विकसित करना।
- लेखन एवं वाचन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य सामूहिक रूप से कराया जाएगा।
2. विषय की जानकारी गतिविधि से एक दिन पूर्व दी जाएगी। शिक्षक कक्षा में मुख्य त्योहारों से हटकर कुछ क्षेत्र विशेष से संबंधित त्योहारों का परिचय देंगे। उदाहरणार्थ –तीज, बड़मावस, गणगौर, वसंत पंचमी, गणेश चतुर्थी, नागपंचमी, ऋषि पंचमी, धनतेरस, भैया दूज, गोवर्धन पूजा, अनंत चौदस, शीतलाष्टमी, अहोई अष्टमी, जन्माष्टमी, छठ पूजा, करवा चौथ, शबे बारात, अलविदा जुमा, हजरत अली जन्म दिन इत्यादि।
3. गतिविधि के समय कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।
4. प्रत्येक समूह अपनी जानकारी के अनुसार त्योहारों के नाम तथा उनका महत्व लिखेंगे।
5. इस कार्य के लिए उन्हें 10 से 15 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. इस बीच अध्यापक सभी समूहों में जाकर देखेंगे कि सभी विद्यार्थी अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं।
7. लेखन कार्य के उपरान्त प्रत्येक समूह का एक प्रतिनिधि छात्र प्रस्तुतीकरण देगा। एक समूह को प्रस्तुतीकरण के लिए पांच मिनट का समय दिया जाएगा।
8. मूल्यांकन के आधार शिक्षक प्रारम्भ में ही श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय की जानकारी
- प्रस्तुतीकरण
- (पाँच त्योहारों की संख्या अवश्य होनी चाहिए।)

टिप्पणी :

- मूल्यांकन के आधार शिक्षक स्वयं निर्धारित कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सही जानकारी देने वाले छात्रों को प्रोत्साहित किया जाए।
- शिक्षक विद्यार्थियों को उदाहरणार्थ 3 से चार त्योहारों के नाम ही बताएँ अन्य छात्र स्वयं लिखेंगे। त्योहारों की सूची शिक्षक की सुविधा के लिए दी गई है।

प्रदत्त कार्य-3 : नुक्कड़ नाटक मंचन

विषय : विदेशी वस्त्रों / वस्तुओं का त्याग एवं स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की प्रेरणा देते हुए नुक्कड़ नाटक ।

उद्देश्य :

- अभिनय कौशल का विकास करना।

- वाचन कौशल का विकास करना।
- सहभागिता की प्रवृत्ति का विकास करना।
- देश प्रेम की भावना जागृत कराना।
- सृजनात्मकता की प्रवृत्ति का विकास करना।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य सामूहिक रूप से कराया जाएगा।
2. कक्षा को चार समूहों में विभक्त किया जाएगा।
3. इस गतिविधि की सूचना एक सप्ताह पूर्व दी जाएगी। शिक्षक विषय की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक निर्देश देंगे।
4. विद्यार्थी अपने समूह के साथ मिलकर इसकी तैयारी करेंगे।
5. बीच बीच में शिक्षक छात्रों की सहायता करते हुए निरीक्षण करते रहेंगे तथा सभी छात्रों को प्रतिभागी होने के लिए प्रेरित करेंगे।
6. गतिविधि के समय चारों समूह प्रस्तुतीकरण करेंगे, प्रत्येक समूह को पांच से सात मिनट का समय दिया जाएगा।
7. मूल्यांकन के आधार शिक्षक प्रारम्भ में ही श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय सुसंबद्धता
- प्रस्तुतीकरण (भाषा, संवाद)
- अभिनय
- समग्र प्रभाव

टिप्पणी :

- शिक्षक अन्य उचित आधार बिन्दुओं को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे प्रस्तुतीकरण की सराहना की जाए तथा विद्यालय के मंच पर भी प्रस्तुत किया जा सकता है।

- मूल्यांकन के लिए शिक्षक अन्य शिक्षकों की मदद ले सकते हैं।
- नाटक के लिए बाहरी उपकरणों की आवश्यकता नहीं है। विद्यालय गणवेश में ही विद्यार्थी नाटक प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रदत्त कार्य-4 : अनुच्छेद लेखन

विषय : जीवन में उपहारों का महत्व।

उद्देश्य :

- मानवीय संवदेनाओं की अनुभूति कराना।
- आत्माभिव्यक्ति की प्रवृत्ति का विकास करना।
- लेखन कौशल का विकास करना।
- सामाजिक व्यवहार की जानकारी देना।
- लेखन में मौलिकता लाने का प्रयास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।
2. अध्यापक सर्वप्रथम विषय की जानकारी देंगे। विद्यार्थियों के साथ उपहारों के महत्व पर चर्चा करेंगे। उदाहरण के लिए जैसे उपहार प्रेम और आशीर्वाद प्रकट करने के लिए दिए जाते हैं। उपहार लेना हमें बहुत खुशी देता है इत्यादि।
3. विद्यार्थी इस विषय पर अपने अपने अनुभव एवं विचार उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।
4. इस कार्य के लिए उन्हें 15 मिनट का समय दिया जाएगा।
5. मूल्यांकन के आधार शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे।
6. लेखन के पश्चात् शिक्षक सभी विद्यार्थियों के लेखन कार्य को एकत्रित कर लेंगे तथा सुविधानुसार मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- भाषायी दक्षता

- मौलिकता
- उपयुक्त उदाहरण
- समग्र प्रभाव

टिप्पणी :

- शिक्षक मूल्यांकन के आधार स्वयं निश्चित कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी रचनाओं को प्रोत्साहित अवश्य करें तथा कक्षा में पढ़कर सुनाया जाए।
- जो छात्र खुलकर विचार व्यक्त न कर पाएँ, उन्हें प्रेरित किया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : समाचार पत्र के लिए ख़बर लेखन।

विषय : विद्यालयी गतिविधियाँ।

उद्देश्य :

- पत्रकारिता के विषय में जानकारी देना।
- लेखन कौशल का विकास करना।
- वाचन कौशल का विकास करना।
- विषयों को बारीकी से जानना।
- एकाग्रता की प्रवृत्ति को विकसित करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. यह कार्य व्यक्तिगत रूप से कराया जाएगा।
2. सर्वप्रथम शिक्षक 'समाचार' लेखन से परिचत कराएंगे। इस विषय की जानकारी पाठ पढ़ाने के उपरान्त तथा गतिविधि से एक दिन पूर्व दी जाएगी। विद्यार्थी संपादक और रिपोर्टर के रूप में रिपोर्ट ख़बर लिखेंगे।
3. विद्यालय में होने वाली किसी गतिविधि जैसे – खेल प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता, भाषण, विज्ञान, प्रदर्शनी या उनके क्षेत्र में होने वाली किसी गतिविधि से संबंधित जानकारी को प्राप्त करेंगे। विद्यार्थी अपने विद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुखों की बातचीत को ख़बर में लिखेंगे।

4. ख़बर कैसे लिखी जाती है? शिक्षक समाचार पत्रों से उदाहरण दे सकते हैं। और ख़बर लिखने का ढाँचा भी बता सकते हैं।

5. इस कार्य के लिए उन्हें 10 मिनट का समय दिया जाएगा।

6. इस बीच शिक्षक छात्रों का निरीक्षण करेंगे।

7. मूल्यांकन के आधार बिन्दु शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

8. ख़बर लेखन के बाद सभी विद्यार्थी एक एक करके पढ़कर सुनाएँगे।

9. इस पूरी प्रक्रिया में एक कालांश का समय लगेगा।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- मौलिकता
- वाक्य संरचना
- भाषायी दक्षता
- प्रस्तुतीकरण

टिप्पणी :

- शिक्षक अन्य उचित मूल्यांकन बिन्दुओं को भी मूल्यांकन के आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छी रचना के लिए विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- जो विद्यार्थी ठीक से कार्य नहीं कर पाए उनकी सहायता की जाए। शिक्षक विद्यार्थियों को समाचार पत्र प्रतिदिन पढ़ने की प्रेरणा अवश्य दें।